Title: Need to take urgent action to protect the people from soil erosion caused by the Ganga-Koshi river flowing through the Khagaria, in Bihar.

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : अध्यक्ष महोदय, आजादी के ५२ वर्षों के बाद भी हमें गंगा कोसी नदी के विनाशकारी कटाव के कारण बंजारे की जिंदगी जीनी पड़ रही है। इस कारण खगड़िया लोक सभा क्षेत्र के बरारी कुर्सेला प्रखण्ड के अनारकली, भवानीपुर जोतरामराय, बकिया बिशनपुर, बकिया दीयरा, कान्तनगर, सुजापुर, भंडारतल, काढ़ागोला, बारौनगर, गुरुमेला, जरलाही, बसुहार, पकहरा, तौनधरिया, कटरिया एवं कुर्सेला कुल १६ पंचायतों के लगभग एक लाख कटाव पीड़ित परिवार यत्र-तत्र सड़कों, बांधों एवं रेल लाइनों के किनारे भिखारियों की तरह दिन गुजार रहे हैं। वर्ष १९५६ से भीषण कटाव के कारण लगभग २०० वर्ग किलोमीटर सरकार का उपजाऊ भू-भाग नदी के गर्भ में विलीन हो गया। इस कारण कटावग्रस्त क्षेत्र में समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं।

प्रतिवर्ष राष्ट्रीय उत्पादन एवं सरकारी खजाने का ह्रास हो रहा है। विस्थापितों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है। व्यक्तियों की क्रय शक्ति घट रही है। किसानों, खेतिहर मजदूरों तथा शिक्षित बेरोजगार युवकों एवं महिलाओं के बीच बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। काढ़ागोला रोड रेलवे स्टेशन से गंगा नदी की दूरी मात्र एक किलोमीटर शेष रह गई है, जो विगत सन १९६२ के भारत चीन लड़ाई में भारतीय सैनिकों के लिए यातायात का मुख्य मार्ग था।

अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि हमारी उपर्युक्त दुख एवं पीड़ा को गम्भीरता से विचार करते हुए निम्नलिखित मांगों को प्राथमिकता के आधार पर स्थाई निदान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की अविलम्ब कृपा की जाये।

MR. SPEAKER: Madam, you cannot read the statement in `Zero Hour".

श्रीमती रेनु कुमारी : हमारी मांगें हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा की तरह युद्ध स्तर पर स्थायी कटाव निरोधक कार्य किया जाये। नदी के स्थायी कटाव निरोधक कार्य के लिए बजट में अलग से प्रावधान किया जाये। कटाव पीड़ित परिवारों के लिए स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था की जाये। विस्थापित सारे परिवारों को इंदिरा आवास की सुविधा प्रदान की जाये। कटाव पीड़ित परिवार के किसानों, खेतिहर मजदूरों तथा शिक्षित बेरोजगार युवकों एवं महिलाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था की जाये। इस पुनीत कार्य के लिए हम श्रीमान के आभारी रहेंगे।

&nb